बड़े लोगों का बचपन - टॉम पेन - युवा क्रांतिकारी

दुकान की घंटी बजने पर मिस्टर पेन ने अपनी सिलाई से ऊपर देखा. एक छोटा लड़का अंदर घुसा और वो काउंटर के पीछे दरवाजे की तरफ गया.

"अच्छा तुम अंत में घर आ गए, मेरे बेटे." मिस्टर पेन ने कहा. "परन्तु ठहरो, तुमने अपनी पैन्ट को क्या किया है."

"वो फट गई है, पिताजी, मैं ब्लैकबेरी के पेड़ पर चढ़ रहा था. क्या आप मेरी पैन्ट सिल सकते हैं? क्योंकि माँ मुझे ज़रूर डांटेंगी."

"नहीं, मेरे बेटे, तुम अपने अपराध को छिपाने की कोशिश मत करो. अपनी माता के पास दौड़कर जाओ और अपनी गलती स्वीकार करो."

गरीब टॉम! वो अपने गंभीर पिता और अपनी माँ के बीच फंस गया था. उसकी माँ तेज-तर्रार और अधीर थीं जो एक नीरस और असहज जीवन व्यतीत करती थीं. उसे माँ से डांट मिली जिसकी उसे उम्मीद थी और फिर वो बिना खाना खाए बिस्तर पर सोने चला गया. वो बहुत चाहता था, कि उसकी छोटी बहन की मृत्यु नहीं हुई होती, या फिर उसके साथ खेलने के लिए उसका कोई भाई होता.

स्कूल में टॉम को नीची नज़र से देखा जाता था क्योंकि उसके पिता महिलाओं के कपड़े सिलते थे. वो एक दर्ज़ी का बेटा था - एक ऐसा तथ्य जिसे सुनकर उसके सभी स्कूल-साथी हंस पड़ते थे. साथ में उसके पिता एक क्वेकर थे.

क्वेकर होने के कारण पिता युद्धों में विश्वास नहीं करते थे. उन्होंने टॉम को लैटिन सीखने से भी मना किया, यह कहकर कि वे ईश्वरविहीन पुरुष थे जिन्होंने लैटिन में पाठ्यपुस्तकें लिखी थीं. जहाँ तक टॉम की माँ का सवाल था, वो अपनी क्रॉसपैच सिलाई और अपने भद्दे चेहरे के लिए पूरे थेटफोर्ड में जानी जाती थीं.

टॉम एक दयालु लड़का था. हालाँकि उसे अपने पिता के व्यापार से नफरत थी, लेकिन उसने कभी उसका मज़ाक नहीं उड़ाया. न ही वो अपनी माँ के बारे में कभी बुरा बोलता था. इसलिए, उसका अपनी उम्र का कोई दोस्त नहीं था.

स्कूल में उनके एक दोस्त रेवरेंड विलियम नोल्स थे, जो एक सहायक मास्टर थे. लैटिन में उसने इतनी पढ़ाई की थी कि अब टॉम अपनी अधिकांश पढ़ाई मिस्टर नोल्स के साथ करता था. टॉम ने साहित्य, गणित और साधारण विज्ञान का अध्ययन किया जो 18वीं शताब्दी में पढ़ाया जाता था. टॉम को कविता लिखना भी पसंद था. जब वो सिर्फ आठ साल का था, तब उसने एक कौवे के बारे में लिखा था जो उनके बगीचे में दफन था.

यहाँ जॉन कौवे का शव पड़ा है
जो कभी ऊँचा था, पर अब नीचा है
हे कौवे भाई, सभी को सावधान करो.
क्योंकि जैसे तुम उठते हो, वैसे तुम गिरते भी हो.

टॉम ने अकेले ही मिस्टर नोल्स के साथ अपनी पढ़ाई की.

शिक्षक बनने से पहले मिस्टर नोल्स कई वर्षों तक युद्ध के जहाजों पर समुद्र में रहे थे.

टॉम की स्कूली शिक्षा तब शुरू हुई जब वह सात साल के थे और वो 13 साल की उम्र में (1721 में) समाप्त हो गई. तब वो अपने पिता के साथ स्टे-मेकर के धंधे में प्रशिक्षित हुआ. उनके पिता अक्सर उसे थेटफोर्ड के आस-पास के अच्छे अमीर घरों में ले जाते थे, जहाँ वो ग्राहकों के माप लेते थे और उन्हें उनकी पसंद का सामान दिखाते थे. उन दिनों कोई इलास्टिक नहीं था और व्हेल की हड्डी की लंबी पट्टियों को महंगे रेशम और साटन में सिलकर, फीता और रिबन के साथ इलास्टिक का विकल्प बनाया जाता था.

टॉम अक्सर सोचता था कि उसके पिता ने आजीविका के लिए कितना अजीब पेशा चुना था. वैसे उसके पिता हमेशा काले कपड़े पहनते थे और किसी भी सजावट से दूर रहते थे.

टॉम ने यह भी देखा कि कैसे उसके पिता को अपने सभी ग्राहकों के सामने झुकना पड़ता था "हाँ, मैडम. नहीं, माय लेडी." उन्हें लगातार कहना पड़ता था. टॉम को वो सही नहीं लगता था. और भले ही पिताजी का काम अति-सुंदर था, लेकिन उसके लिए उन्हें बहुत कम पैसे ही मिलते थे.

अठारहवीं सदी का इंग्लैंड अमीरों के लिए रहने के लिए एक खुशहाल जगह थी. लेकिन जिस गली में टॉम रहता था वो कच्ची थी और गड्ढों से भरी थी. उसके घर में साफ-सफाई नहीं थी और वहां पानी के लिए एक सार्वजनिक कुआँ था. बहुत से अमीर लोग तमाम फिज़ूलखर्ची करते थे. एक महिला एक पोशाक पर इतना अधिक खर्च करती थी जितना टॉम के पिता साल भर में नहीं कमा पाते थे .

टॉम को अपने गृह नगर में घुटन महसूस होने लगी और जब वो 17 वर्ष का था तो वो घर छोड़कर भाग गया.

मिस्टर नोल्स की समुद्र की रोमांचक कहानियों को याद करते हुए टॉम हार्विच बंदरगाह गया. लंगर के जहाजों में से एक "द टेरिबल" नामक एक निजी जहाज़ था. टॉम यह जानकर खुश हुआ कि कैप्टन डेथ ने उसकी कमान संभाली थी. वो एक नाविक के रूप में नौकरी पाने में कामयाब रहा. फिर उसने पेट भरकर जहाज़ का स्वादिष्ट खाना खाया. पर तभी उसे घाट पर अपने पिता की आवाज सुनाई दी. किसी तरह, टॉम कहाँ जा रहा था यह पिता को पता चल गया था. फिर उन्होंने टॉम का पीछा किया. टॉम अपने पिता के साथ घर वापिस गया. टॉम ने कुछ नहीं कहा क्योंकि पिता ने उसे एक बेटे के कर्तव्यों के बारे में व्याख्यान दिया. दो साल बाद टॉम फिर से भागा - इस बार सफलतापूर्वक. उसके बाद उसके उच्च रोमांच का जीवन शुरू किया.

टॉम पेन के विचार अपने समय से सदियों आगे थे. उन्होंने कई किताबें लिखीं और कई क्रांतिकारी मुद्दों का समर्थन किया, जैसे कि गरीब बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए न्याय, गणतंत्र सरकार और गुलामी का उन्मूलन. वो उन लोगों में से एक थे जिन्होंने अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा का मसौदा तैयार किया था, वो फ्रांसीसी क्रांति में भी शामिल थे.

टॉम अपने पिता के साथ थेटफोर्ड के आसपास के अमीर घरों में जाता था.